प्रथम वर्ष कला/वाणिज्य
प्रथम अयन एवं द्वितीय अयन

कोर्स न.	प्रथम अयन/द्वितीय अयन
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)	
1 A	हिंदी पाठ्यचर्या (सामान्य)
1 B	हिंदी पाठ्यचर्या (सामान्य)
प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)	
1 A	हिंदी पाठ्यचर्या (सामान्य)
1 B	हिंदी पाठ्यचर्या (सामान्य)
प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)	
1 A	प्रयोजनमूलक हिंदी (सामान्य)
1 B	प्रयोजनमूलक हिंदी (सामान्य)

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 A
3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
5. विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।
6. अनुवाद संबंधी जानकारी देना।
7. हिंदी कंप्यूटिंग का परिचय देना।

	प्रथम सत्र/प्रथम अयन
इकाई – I	**काव्य साहित्य :** जूही की कली – निराला मैं नीर भरी दुख की बदली – महादेवी वर्मा कालिदास – नागार्जुन रोटी और संसद – धूमिल धार – अरुण कमल
इकाई – II	**कहानी साहित्य :** एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव सप्रे ईदगाह – प्रेमचंद जिंदगी और गुलाब के फुल – उषा प्रियंवदा युद्ध – शानी मिसेस डिसूजा के नाम पत्र – अलका सरावगी
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** संवाद कौशल, सूत्रसंचालन, समूह चर्चा हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी हिंदी सॉफ्टवेअर की जानकारी।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

प्रश्न : 1	प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 2	द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 3	संसदर्भ व्याख्या	
	अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
	आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
प्रश्न : 4	संवाद कौशल और सूत्रसंचालन पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 5	यूनिकोड/इंटरनेट और हिंदी सॉफ्टवेअर पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य विविधा – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश – विनोद कुमार मिश्र
3. समाचार एवं प्रारूप लेखन – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेशकुमार गुप्त
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. कविता की संगत – विजय कुमार

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 B

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. निबंध लेखन कौशल को विकसित करना।
4. छात्रों को विज्ञापन लेखन से अवगत करना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई– I	**काव्य साहित्य :** आदमी को प्यास लगती है – ज्ञानेंद्रपति रोशनी के उस पार – ओमप्रकाश वाल्मीकि उतनी दूर मत ब्याहना बाबा – निर्मला पुत्तुल किताबें झाँकती हैं – गुलज़ार नींव की ईंट हो तुम दीदी – उद्यप्रकाश
इकाई –II	**गद्य विधा :** सरजू भैया – रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र) भय – आ. रामचंद्र शुक्ल (निबंध) एक बूंद सहसा उछली – अज्ञेय (यात्रा वर्णन) अकबरी लौटा – अन्नपूर्णानंद वर्मा (व्यंग्य) प्रतिशोध – डॉ. रामकुमार वर्मा (एकांकी)
इकाई –III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** लेखन कौशल : स्ववृत्त लेखन निबंध लेखन विज्ञापन लेखन : (दैनिक पत्र–पत्रिकाओं के लिए) वाक्य शुद्धिकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया के संबंध में)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

प्रश्न : 1	प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 2	द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 3	संसदर्भ व्याख्या	
	अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
	आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
प्रश्न : 4	अ) स्ववृत्त लेखन पर दो में से कोई एक प्रश्न	अंक 05
	आ) विज्ञापन पर दो में से कोई एक प्रश्न	अंक 05
प्रश्न : 5	अ) वाक्य शुद्धिकरण (आठ में से छह)	अंक 06
	आ) निबंध लेखन (तीन में से एक विषय पर)	अंक 12

संदर्भ ग्रंथ ग्रंथ :

1. साहित्य विविधा – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. चौथा खम्भा प्राइवेट लिमिटेड – दिलीप मंडल
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. विशुद्ध हिंदी भाषा – डॉ. सदानंद भोसले
6. देवनागरी लिपि – संपा. डॉ. शहाबुद्दीन शेख

प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)
(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 A

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
5. विज्ञापन लेखन कौशल विकसित करना।
6. हिंदी कंप्यूटिंग का परिचय देना।

	प्रथम सत्र/प्रथम अयन
इकाई – I	**काव्य साहित्य :** स्वदेश के प्रति – सुभद्राकुमारी चौहान हो गई पीर – दुष्यंत कुमार पिता के जूते – अशोक वाजपेयी पेड़ की पुकार – शंभुनाथ सिंह उदास तुम – धर्मवीर भारती
इकाई – II	**कहानी साहित्य :** भोलराम का जीव – हरिशंकर परसाई उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी व्यथा का सरगम् – अमृतराय जंगल दाह – स्वयंप्रकाश सबसे कठिन काम – मधु कांकरिया
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** अंक तथा गणितीय चिह्नों का देवनागरी में लेखन हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी हिंदी सॉफ्टवेयर की जानकारी।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

प्रश्न : 1	प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 16
प्रश्न : 2	द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 16
प्रश्न : 3	संसदर्भ व्याख्या	
	अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
	आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
प्रश्न : 4	यूनिकोड, इंटरनेट, हिंदी सॉफ्टवेअर पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 5	अंक तथा गणितीय चिह्नों पर बारह में से दस प्रश्न	अंक 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य सौरभ – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश – विनोद कुमार मिश्र
3. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
4. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास – राम बन्सल
6. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. राम लखन मीणा

प्रथम वर्ष वाणिज्य (F.Y.B.com) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : वैकल्पिक हिंदी प्रश्नपत्र – 1 B

3 कर्मांक

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य का परिचय देना।
2. हिंदी कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल विकसित करना।
4. विज्ञापन लेखन के प्रकारों को अवगत करना।
5. अनुवाद का स्वरूप से अवगत करना।
6. पारिभाषिक शब्दावली से अवगत कराना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई – I	**काव्य साहित्य :** अब की लौटा तो – कुंवरनारायण कलगी बाजरे की – अज्ञेयए माँझी का पूल – केदारनाथ सिंह बापू के प्रति –सुमित्रानंदन पंत माँ के लिए एक कविता – कात्यायनी
इकाई – II	**कहानी साहित्य :** पहलवान की ढोलक – फणीश्वरनाथ रेणु सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि बच्चे का सपना – शेखर जोशी बोलनेवाली औरत – ममता कालिया चिट्ठी – अखिलेश
इकाई – III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** संवाद कौशल अनुवादः स्वरूप, परिभाषा, व्यावहारिक पक्ष पारिभाषिक (कार्यालयीन) 100 शब्दावली।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

प्रश्न : 1	प्रथम इकाई (काव्य) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 16
प्रश्न : 2	द्वितीय इकाई (कहानी) पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 16
प्रश्न : 3	संसदर्भ व्याख्या	
	अ) काव्य (प्रथम इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
	आ) कहानी (द्वितीय इकाई) पर दो में से एक	अंक 07
प्रश्न : 4	संवाद कौशल और अनुवाद पर चार में से कोई दो प्रश्न	अंक 14
प्रश्न : 5	पारिभाषिक शब्द (बारह में से दस)	अंक 10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य सौरभ – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र – डॉ. गोपाल राय
3. प्रिंट मीडिया लेखन – हरीश हरोड़ा
4. राजभाषा विविधा – डॉ. माणिक मृगेश
5. व्यावहारिक हिंदी – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
6. भाषा शिक्षण – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. फणीश्वरनाथ रेणु के कालजयी चरित्र : मनोविश्लेषण – विजय अवस्थी

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)

(प्रथम अयन)

पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी – 1 A

3 कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी काव्य साहित्य से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी साहित्य का परिचय देना।
3. हिंदी भाषा में संप्रेषण कौशल विकसित करना।
4. हिंदी भाषा द्वारा संवाद कौशल का विकास करना।
5. मौलिक लेखन की ओर रूझान बढ़ाना।
6. विज्ञापन लेखन की कला अवगत कराना।
7. हिंदी भाषा का विशुद्ध लेखन कौशल विकसित करना।
8. हिंदी कंप्यूटिंग का सामान्य परिचय देना।

	प्रथम सत्र/प्रथम अयन
इकाई – I	प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूपगत विशेषताएँ। प्रयोजनमूलक हिंदी और सामान्य हिंदी में अंतर।
इकाई – II	प्रयोजनमूलक हिंदी व्यवहार क्षेत्र : बैंक, बीमा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, जनसंचार माध्यम। हिंदी भाषा के विविध रूप : बोली भाषा, राजभाषा,
इकाई – III	हिंदी भाषा के विविध रूप : संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य : प्रारूपण, संक्षेपण, टिप्पण, प्रतिवेदन।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

तीनों इकाईयों पर विकल्प के साथ दो प्रश्न पुछे जाएंगे। कुलमिलाकार छह प्रश्न होंगे। (प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक होंगे।)	60
सातवाँ प्रश्न टिप्पणी का होगा। चार टिप्पणी पूछी जाएगी। इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे।	10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख,
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
4. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी – पृथ्वीनाथ पाण्डेय
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात
6. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक – अखिलेश मिश्र
7. चौथा खम्भा प्राइवेट लिमिटेड – दिलीप मंडल
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
10. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी में आंदोलन का इतिहास – डॉ. उद्यनारायण दूबे

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.) (सामान्य)
(द्वितीय अयन)

पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी – 1 B

3 कर्मांक

1. छात्रों को विज्ञापन लेखन से परिचित कराना।
2. दृश्य श्रव्य की संकल्पना से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा में संप्रेषण कौशल विकसित करना।
4. हिंदी कंप्यूटिंग से अवगत कराना।

	द्वितीय सत्र/द्वितीय अयन
इकाई–I	विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन के माध्यम, विज्ञापन का महत्व।
इकाई –II	श्रव्य : रेडियो– विज्ञापन का स्वरूप, शैली एवं विशेषताएँ, निर्माण प्रक्रिया। अनुवाद : स्वरूप, परिभाषा एवं महत्व, अनुवाद के गुण। अंक तथा गणितीय चिह्नों का देवनागरी में लेखन।
इकाई –III	पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयीन) 100 शब्द। हिंदी कंप्यूटिंग : यूनिकोड (Unicode) की जानकारी। इंटरनेट की सामान्य जानकारी। हिंदी सॉफ्टवेअर की जानकारी।

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा – 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2019–20 से आगे)

समय 3 घंटे **अंक 70**

तीनों इकाईयों पर विकल्प के साथ दो प्रश्न पुछे जाएंगे। कुलमिलाकार छह प्रश्न होंगे। (प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक होंगे।)	60
सातवाँ प्रश्न टिप्पणी का होगा। चार टिप्पणी पूछी जाएँगी। इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे। # (एक टिप्पणी पारिभाषिक शब्द पर होगी पांच पारिभाषिक शब्द पूछे जाएगे। अंक होंगे पांच।) # (एक टिप्पणी अंक तथा गणितीय चिह्नों का देवनागरी में लेखन पर होगी। इसमें तीन अंक तथा दो गणितीय चिह्न पूछे जाएँगे। अंक होंगे पांच)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम – संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
3. प्रयोजनमूलक हिंदी (भाषिक संरचना, व्याकरण एवं अनुवाद) – डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. प्रयोजनूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम वाजपेयी, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
5. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी – संपा. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
6. हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु
7. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय
8. अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र – डॉ. गोपाल राय
9. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया
10. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
11. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात
12. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
13. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
14. प्रिंट मीडिया लेखन – हरीश हरोड़ा

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, पुणे

F. Y. B. A. मराठी

मराठी विषयाचा पुनर्रचित अभ्यासक्रम- जून २०१९ पासून

Choice Based Credit System [CBCS]

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत

सत्र	विषयाचे नाव
नियमित अभ्यासक्रम	
पहिले	मराठी साहित्य : कथा आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]
दुसरे	मराठी साहित्य : एकांकिका आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]
पर्यायी अभ्यासक्रम	
पहिले	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग १ [CC-1 A]
दुसरे	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग २ [CC-1 A]

F. Y. B. A. मराठी विषयाचा पुनर्रचित अभ्यासक्रम- जून २०१९ पासून

१. Title of the course: B.A. (मराठी)

२. Preamble of the syllabus:

उच्च शिक्षणासाठी प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक पार्श्वभूमी ही ज्ञानरचनावादाची आहे. या विद्यार्थ्यांचे पूर्वानुभव, पूर्वज्ञान हे जिज्ञासा, निरीक्षण, प्रयोग, सर्जनशीलता, उपाययोजना व समस्या निराकरण अशा अध्ययन – अध्यापन सूत्रांतून निर्माण झाले आहे.

हा अभ्यासक्रम तयार करीत असताना काही आधारभूत तत्त्वे स्वीकारली आहेत. राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणाची उद्दिष्टे प्रत्यक्षात आणताना, विद्यार्थीकेंद्री, आंतर्विद्याशाखीय, रोजगाराभिमुख, कौशल्याधिष्ठीत असे भाषा व साहित्याचे अभ्यासक्रम अनुसरणे, निर्माण करणे आवश्यक आहे. तसेच जीवन कौशल्य विकासासाठी भाषा, साहित्य, कला ही माध्यमे अधिक परिणामकारकतेने समजावून घेणे आवश्यक झाले आहे. साहित्यिक क्षमता, भाषिक क्षमता वाढीसाठी, जीवनाच्या आकलनासाठी आणि प्रगल्भतेसाठी विद्यार्थी सिद्ध करणे; ही आजची गरज बनली आहे.

उद्दिष्टे :

१. मराठी भाषा, मराठी साहित्य आणि मराठी संस्कृती यांचे अध्ययन करणे.
२. साहित्यविषयक आकलन, आस्वाद आणि मूल्यमापन क्षमता विकसित करणे.
३. साहित्याभ्यासातून जीवनविषयक समज विकसित करणे.
४. मराठी भाषेची उपयोजनात्मक कौशल्ये विकसित करणे.

मराठी विषयाचा अभ्यासक्रमाची पुनर्रचना खालील क्रमाने करण्यात येणार आहे.

१. First Year B.A. 2019-20.
२. Second Year B.A. 2020-21.
३. Third Year B.A. 2021-22.

B. A. (मराठी) हा पुनर्रचित अभ्यासक्रम तीन वर्षांचा आणि सहा सत्रांत विभागलेला निवड आधारित श्रेयांक पद्धतीचा (Choice Based Credit System) [CBCS] आहे. हा अभ्यासक्रम F. Y. B. A. (सत्र १ आणि सत्र २), S. Y. B. A. (सत्र ३ आणि सत्र ४), T. Y. B. A. (सत्र ५ आणि सत्र ६) अशा १३२ श्रेयांकांचा आहे.

३. Pattern: निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System) [CBCS]

४. Eligibility : (Circular No. 100 of 2017)

Faculty of Humanities

(1) Arts & Fine Arts Bachelor's Degree

1. First Year B.A.
   - (a) Higher Secondary School Certificate (10+2) or its equivalent Examination with English as a passing subject.
   - (b) Three Years Diploma Course (after S.S.C. i.e. 10th Standard), of Board of Technical Education conducted by Government of Maharashtra or its equivalent.
   - (c) Three Years Diploma in Pharmacy Course (after S.S.C. i.e. 10th), of Board of Technical Education conducted by Government of Maharashtra or its equivalent.
   - (d) S.S.C. of 10 years or 11 years with English and Indian Air Force Educational Test for promotion to the rank of Corporal.
   - (e) Trained Teachers Certificate Course, of Inter-State Board of Anglo Indian Education, New Delhi.
   - (f) Intermediate Commerce/Arts examination from the Recognized Board of Secondary Education, M.P. Bhopal with 4 subjects including General English.
   - (g) Diploma in Education with English, of Bureau of Government of Mahrashtra.
   - (h) MCVC (minimum competency Vocational Course Goverment of Maharashtra)

५. Examination:

१. Pattern of examination:

१. Semester

२. Pattern of the question paper:

विद्यापीठ सत्र परीक्षा	७० गुण
अंतर्गत मूल्यमापन	३० गुण
एकूण	१०० गुण

२. Standard of passing: उत्तीर्ण होण्यासाठी विद्यापीठ सत्र परीक्षेत ७० पैकी २८ गुण अनिवार्य, अंतर्गत मूल्यमापनामध्ये ३० पैकी १२ गुण अनिवार्य.

३. Award of class:

1.Percentage to Grades and Grade Points

The following formula may be used to convert marks (%) into letter grades.

Let $\bar{X}$ = mean of % age marks of all student appeared in the paper.

σ = Standard deviation

m = % of marks obtained

Letter grade	Numerical grade	Formula
O (outstanding)	10	$m \geq \bar{X} + 2.5\,\sigma$
A+ (Excellent)	9	$\bar{X} + 2.0\,\sigma \leq m < \bar{X} + 2.5\,\sigma$
A (Very Good)	8	$\bar{X} + 1.5\,\sigma \leq m < \bar{X} + 2.0\,\sigma$
B+ (Good)	7	$\bar{X} + 1.0\,\sigma \leq m < \bar{X} + 1.5\,\sigma$
B (Above average)	6	$\bar{X} \leq m < \bar{X} + \sigma$
C (Average)	5	$\bar{X} - 0.5\,\sigma \leq m < \bar{X}$
D (Pass)	4	$\bar{X} - \sigma \leq m < \bar{X} - 0.5\,\sigma$
F (Fail)	0	$m < \bar{X} - \sigma$
Ab (Absent)	0	

* Minor variations may be adjusted by the individual institution.

६ Structure of Course:

Year	Semester	Core Courses (CC)	Discipline Specific Elective Courses (DSE)	Generic Elective(GE)
F.Y.B.A.	1	CC – 1 A (3)		
	2	CC – 1 B (3)		
S.Y.B.A.	3	CC – 1 C (2)	DSE 1 A (3) DSE 2 A (3)	
	4	CC – 1 D (2) CC – 3 D (1)	DSE 1 B (3) DSE 2 B (3)	
T.Y.B.A.	5	CC – 1 E (2)	DSE 1 C (3) DSE 2 C (3)	
	6	CC – 1 F (2)	DSE1 D (3) DSE 2 D (3)	GE 2 B (2)

७ Work Load:

१. १ श्रेयांक : १५ तास
२. १ तास : ६० मिनिट
३. १ सत्र : ३ श्रेयांक

८ Subject wise Detail Syllabus & Recommended books:

F.Y.B.A. (प्रथम वर्ष कला)

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System)

पहिले सत्र

विषयाचे नाव : मराठी साहित्य : कथा आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. कथा या साहित्यप्रकाराची ओळख करून देणे.
२. कथा या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, घटक आणि प्रकार यांची ओळख करून देणे.
३. विविध साहित्यप्रवाहांमधील कथा या साहित्यप्रकारातील निवडक कथांचे अध्ययन करणे.
४. भाषिक कौशल्यविकास करणे.

पहिले सत्र :

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	कथा : स्वरूप आणि वाटचाल कथा : घटक कथा : प्रकार (रचनाप्रकार आणि प्रवाह)	१	१५
२	अभ्यासपुस्तक : **समकालीन मराठी कथा** अक्षरबंध प्रकाशन, पुणे संपादक : प्रा. डॉ. शिरीष लांडगे, प्रा. डॉ. दिलीप पवार, प्रा. डॉ. संदीप सांगळे	१	१५
३	भाषिक कौशल्यविकास नैसर्गिक : आकलनासह श्रवण अर्जित : संभाषण, वाचन, लेखन, इ-संवाद कौशल्य प्रगत : सारग्रहण, सारांशलेखन	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. मराठी साहित्य : प्रेरणा आणि स्वरूप, संपादक डॉ. गो. मा. पवार, डॉ. म. द. हातकणंगलेकर

२. साहित्यमूल्य आणि अभिरुची, डॉ. गो. मा. पवार

३. काही साहित्यिक : काही साहित्यकृती, डॉ. भीमराव कुलकर्णी

४. साहित्य अध्यापन आणि प्रकार, वा. ल. कुलकर्णी गौरव ग्रंथ, संपादक श्री. पु. भागवत, डॉ. सुधीर रसाळ

५. कथा : संकल्पना आणि समीक्षा, सुधा जोशी, मौज प्रकाशन

६. मराठी कथा : विसावे शतक, संपादक के. ज. पुरोहित, सुधा जोशी

७. व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे.

८. व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, निराली प्रकाशन, पुणे.

९. व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.

१०. व्यावहारिक मराठी, डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, प्रा. रंजना नेमाडे

११. व्यावहारिक, उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमांची कार्यशैली, संपादक डॉ. संदीप सांगळे, डायमंड पब्लिकेशन, पुणे.

१२. मराठी भाषेची संवाद कौशल्ये (पुस्तक क्र.१ ते ८) य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

१३. व्यावहारिक मराठी, डॉ. ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

१४. नवभारत, व्यावहारिक मराठी विशेषांक, ऑगस्ट – सप्टेंबर, १९८२, प्राज्ञ पाठशाला, वाई.

१५. प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये, य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

१६. कहाणी वर्तमानपत्राची, चंचल सरकार, अनुवाद, दिनकर गांगल, नॅशनल बुक ट्रस्ट.

१७. वैखरी, भाषा आणि भाषा व्यवहार, अशोक केळकर

१८. प्रसारमाध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक डॉ. भास्कर शेळके.

१९. व्यावहारिक मराठी भाषा, शरदिनी मोहिते

२०. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी, डॉ. मनोहर रोकडे

२१. व्यासपीठ, डॉ. महादेव वाळुंज, अक्षरमानव प्रकाशन, पुणे.

२२. मराठी भाषा उपयोजन आणि सर्जन, प्रा. सुहासकुमार बोबडे

२३. पारिभाषिक संज्ञा कोश (इंग्लिश - मराठी) डॉ. स्नेहल तावरे.

२४. भाषांतर मीमांसा, कल्याण काळे, अंजली सोमण, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे.

२५. व्यावहारिक मराठी, संपादक डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.

२६. उपयोजित मराठी, डॉ. केतकी मोडक, प्रा. सुजाता शेणई, संतोष शेणई

२७. व्यावहारिक मराठी, प्रकाश परब, मिथुन प्रकाशन, १८८९,डोंबिवली (पूर्व)

२८. भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र शासनाने प्रकाशित केलेले विविध कोश

२९. साहित्यिक गौरी देशपांडे, महादेव वाळुंज.

३०. बाबुराव बागुलांच्या कथेतील दलित स्त्री, राजाभाऊ भैलुमे.

३१. दलित व दलितेतरांची कथा : एक अभ्यास, श्रीराम गडकर

३२. https://www.maayboli.com/node/62738

३३. https://m.maharashtratimes.com/editorial/samwad/predictive-reviews-of-rural problems/amp_articleshow/68120291.cms

३४. https://marathi.pratilipi.com/

३५. https://www.youtube.com/watch?v=uMMRRXj-54Q&feature=youtu.be

३६. https://mr.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%97%E0%A5%8C%E0%A4%B0%E0%A5%80_%E0%A4%A6%E0%A5%87%E0%A4%B6%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A5%87

३७. https://www.bbc.com/marathi/india-43021905

३८. https://www.loksatta.com/lekh-news/indian-women-authors-gauri-deshpande-chaturang-anniversary-issue-1761601/

३९. https://mr.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A4%B0_%E0%A4%9A%E0%A4%82%E0%A4%A6%E0%A4%A8%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%B5

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव : मराठी साहित्य : एकांकिका आणि भाषिक कौशल्यविकास [CC-1 A]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. एकांकिका या साहित्यप्रकाराची ओळख करून देणे.
२. एकांकिका या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, घटक आणि प्रकार यांची ओळख करून देणे.
३. मराठी साहित्यातील निवडक एकांकिकांचे अध्ययन करणे.
४. भाषिक कौशल्यविकास करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	एकांकिका : स्वरूप एकांकिका : घटक एकांकिका : संहितामूल्य व प्रयोगमूल्य	१	१५
२	अभ्यासपुस्तक : **मराठी एकांकिका** **(विठ्ठल तो आला आला – पु. ल. देशपांडे, हंडाभर चांदण्या – दत्ता पाटील)** पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे संपादक : प्रा. डॉ. शिरीष लांडगे, प्रा. डॉ. बाळकृष्ण लळीत, प्रा. डॉ. भास्कर ढोके	१	१५
३	भाषा उपयोजनाची विविध आविष्कार रूपे संवादलेखन कल्पनाविस्तार घोषवाक्य लेखन भाषांतर	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. एकांकिका वाटचाल, संपादक श्री. रं. भिडे व इतर, सोमय्या पब्लिकेशन, मुंबई, १९६९.

२. निवडक मराठी एकांकिका, संपादक सुधा जोशी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, १९८३.

३. निवडक एकांकिका, वि.भा. देशपांडे, १९७७.

४. सर्वोत्कृष्ट मराठी एकांकिका, प्रभाकर नारायण परांजपे, सुपर्ण प्रकाशन, पुणे, १९४८.

५. मराठी एकांकिका तंत्र व विकास, श्री. रं. भिडे, सुपर्ण प्रकाशन, पुणे.

६. एकांकिका विचार आणि सर्वोत्तम एकांकिका, जयंत पवार व इतर, नेहरू सेंटर प्रकाशन, मुंबई १९९३.

७. टॅक्स फ्री आणि इतर एकांकिका (प्रस्तावना), चंद्रशेखर फणसळकर, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे १९९५.

८. समग्र एकांकिका भाग १ व २, विजय तेंडुलकर, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, २००४.

९. चतुरंग सवाई एकांकिका, संपादक चतुरंग परिवार, १९८८-२०१२ रौप्यमहोत्सवी वाटचाल विशेषांक.

१०. https://www.youtube.com/watch?v=0fnZMG8zdpk

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप : पहिले आणि दुसरे सत्र

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास	घटकनिहाय प्रश्न तपशील	**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	२ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर प्रत्येकी १५० शब्दांपर्यंत (घटक १)	१०
प्रश्न २ रा	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी १५० शब्दांपर्यंत (घटक २)	२०
प्रश्न ३ रा	२ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर प्रत्येकी ३०० शब्दांपर्यंत (घटक २)	२०
प्रश्न ४ था	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी १५० शब्दांपर्यंत (घटक ३)	२०
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा (घटक २)		२०
प्रकल्प / गटचर्चा / गृहपाठ / चर्चासत्र / उपक्रम सहभाग / अभ्यासभेट (घटक ३)		१०
अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**३०**
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**
अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे. विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.		
विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.		

F.Y.B.A. (प्रथम वर्ष कला)

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत (Choice Based Credit System)

पहिले सत्र

पर्यायी अभ्यासक्रम

विषयाचे नाव : व्यावहारिक व उपयोजित मराठी भाग १ [CC-1 A]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. संज्ञापनातील भाषेची भूमिका, विविध भाषिक आविष्कारांचे स्वरूप समजावून घेणे. भाषिक कौशल्यांची क्षमता विकसित करणे.

२. भाषिक कौशल्यांचे विविध आविष्कार आणि संपर्कमाध्यमे यांचा परस्परसंबंध समजावून घेणे व उपयोजन करणे.

३. मराठीचा कार्यालयीन, व्यावसायिक कामकाजात भाषेचे उपयोजन, गरज व स्वरूप या विशेषांची माहिती करून घेणे.

४. कार्यालयीन, व्यावसायिक भाषाव्यवहारासाठी आवश्यक लेखनकौशल्याचे संपादन व उपयोजन करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	१. जीवन व्यवहारातील भाषेचे स्थान : भाषा स्वरूप व व्याख्या, आविष्करणाचे प्रकार, मौखिक व लिखित.जीवनक्षेत्रे व भाषा उपयोजन २. भाषिक कौशल्ये : १. नैसर्गिक - आकलनसह श्रवण, २. अर्जित – संभाषण, वाचन व लेखन	१	१५
२	१. अर्जलेखन- विनंती अर्ज, नोकरीसाठी अर्ज, तक्रार अर्ज, माहितीच्या अधिकारातील अर्ज. २. निबंध लेखन - वर्णनात्मक,चर्चात्मक आणि ललित (प्रत्यक्ष निबंधलेखन करणे अपेक्षित)	१	१५
३	प्रगत भाषिक कौशल्ये : १. सारांश लेखन २. सारग्रहण ३. भाषांतर (प्रत्यक्ष लेखन करणे अपेक्षित)	१	१५

दुसरे सत्र

पर्यायी अभ्यासक्रम

विषयाचे नाव : व्यावहारिक व उपयोजित मराठी भाग १ [CC-1 A]

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	संवाद लेखन : १. विविध माध्यमांसाठी होणारे संवाद. २. सुचविलेल्या प्रसंगावर आधारित संवाद लेखन ३. ई -संवाद (ई-मेल)	१	१५
२	भाषांतर : १. भाषांतर म्हणजे काय ? भाषांतर शास्त्र की कला ? २. भाषांतराची आवश्यकता, भाषांतर करताना येणाऱ्या अडचणी. ३. भाषांतर आणि रूपांतर, लक्ष्यनिष्ठ आणि मूलनिष्ठ भाषांतर. ४. इंग्लिश उताऱ्याचे मराठी अथवा हिंदी भाषांतर.	१	१५
३	उपयोजित मराठीची आविष्कार रूपे : १. टिप्पणी लेखन २. इतिवृत्त लेखन ३. घोषणा पत्रक ४. हस्तपत्रक ५. घडीपत्रक ६. स्मरणपत्र ७. स्मरणिका निर्मितीचा आराखडा ८. आशयलेखन (Content Writing) ९. जाहिरात लेखन.	१	१५

संदर्भ ग्रंथ

१. व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे.
२. व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, निराली प्रकाशन, पुणे.
३. व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
४. व्यावहारिक मराठी, डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, प्रा. रंजना नेमाडे
५. व्यावहारिक मराठी, डॉ. ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
६. प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये, य.च.म.मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.
७. कहाणी वर्तमानपत्राची, चंचल सरकार अनुवाद, दिनकर गांगल, नॅशनल बुक ट्रस्ट
८. द्विभाषी व्यावहारिक शब्दकोश (इंग्लिश - मराठी) गणेश ओतुरकर
९. प्रसारमाध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक डॉ. भास्कर शेळके.

१०. व्यावहारिक मराठी भाषा, शरदिनी मोहिते
११. भाषांतर मीमांसा, डॉ. कल्याण काळे
१२. व्यावहारिक, उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमे, संपादक डॉ. संदीप सांगळे
१३. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी, डॉ. मनोहर रोकडे
१४. मराठी भाषा उपयोजन आणि सर्जन, प्रा. सुहासकुमार बोबडे
१५. उपयोजित मराठी, डॉ. केतकी मोडक, प्रा. सुजाता शेणई ,संतोष शेणई
१६. व्यावहारिक मराठी, प्रकाश परब
१७. व्यावहारिक मराठी, संपादक डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
१८. निबंध : शास्त्र व कला, डॉ. प्र. न. जोशी
१९. निबंध व लेखन, निर्मला किराणे.
२०. भाषांतरमीमांसा, संपादक डॉ. रमेश वरखेडे, य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप : पहिले आणि दुसरे सत्र

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास	घटकनिहाय प्रश्न तपशील	**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे. (घटक १)	२०
प्रश्न २ रा	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे. (घटक २)	२०
प्रश्न ३ रा	४ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे. (घटक ३)	३०
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा		२०
प्रकल्प / गटचर्चा / गृहपाठ / चर्चासत्र / उपक्रम सहभाग / अभ्यासभेट		१०
अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**३०**
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**
अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे. विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.		
विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.		

SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY

(formerly University of Pune)

F. Y. B. A. Political Science

Syllabus

(Semester & Choice Based Credit System)

(To be implement ted from the Academic Year, 2019-20)

Savitribai Phule Pune University
F. Y. B. A. Political Science
(CBCS pattern to be implemented from 2019-2020)
G-1 General Paper
INTRODUCTION TO INDIAN CONSTITUTION
Total Credits : 03

Objectives

The contents of this course are designed with the following objectives:

1. To acquaint students with the important features of the Constitution of India andwith The basic framework of Indian government.
2. To familiarize students with the working of the Constitutionof India.

Semester-I	Period
Unit 1: Making of the Indian Constitution	**12**
a) Historical Background	
b) Constituent Assembly	
c) Preamble	
d) Salient Features	
Unit 2: Fundamental Rights, Duties and DirectivePrinciples	**12**
a) Fundamental Rights	
b) Fundamental Duties	
c) Directive Principles of State Policy	
Unit 3: Federalism	**12**
a) Salient Features of Indian Federalism	
b) Centre –State Relations	
c) Issues of Conflict (Water and Border Issues)	
Unit 4: Constitutional Amendments: Scope and Limitations	**12**
a) Constitutional Provisions	
b) Major Constitutional Amendments (42, 44 & 86)	
c) Basic Structure of the Indian Constitution	

Semester- II

Unit5: Legislature	**12**
a) Union Legislature – Structure, Powers and Role	
b) State Legislature – Structure, Powers and Role	
Unit6: Executive	**12**

a) Union Executive – i) President and Vice President– Powers, Functions and Role
ii) Prime Minister - Powers, Functions and Role
iii) Council of Minister – Powers and Functions and Role

b) State Executive- i) Governor - Powers, Functions and Role
ii) Chief Minister – Powers, Functions and Role
iii) Council of Minister – Powers and Functions and Role

Unit7: Judiciary **12**

a) Supreme Court : Powers and Functions
b) High Court : Powers and Functions
c) Judicial Review and Judicial Activism

Unit8: Electoral System **12**

a) Election Commission:Composition, Functions and Role
b) Chief Election Commissioner
c) Electoral reforms

SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY

(formerly University of Pune)

F. Y. B. A. Sociology

Syllabus

(Semester & Choice Based Credit System)

(To be implemented from the Academic Year, 2019-20)

Savitribai Phule Pune University
F. Y. B. A. Sociology
(w.e.f. June 2019-20)
Total Credits : 03

Semester – I
Introduction to Sociology

Semester – II

Sociology: Social Institutions and Change

F. Y. B. A. Sociology

(CBCS pattern to be implemented from 2019-2020)

G-1 General Paper

Total Credits : 03

Semester – I

Introduction to Sociology

Objectives:

1. To understand the social context of emergence of Sociology.
2. To introduce basic sociological concepts and subject matter and perspectives of Sociology
3. To familiarize students with new avenues in Sociology.

I. Emergence of Sociology as a Discipline. (16)

a. Emergence of Sociology - Western and Non-Western background, Enlightenment (French and industrial Revolution)
b. Definitions, Nature (Scientific and Humanist) and subject matter of Sociology.
c. Sociological Imagination: Beyond Commonsense
d. Diverse fields and career opportunities in Sociology.

II. Basic Concepts in Sociology. (12)

a. Society: Definitions, Characteristics and Changing Types of Society (Gathering and Hunting, Agriculture, Industrial and Neo Liberal).
b. Groups, associations and Social Networks – Concepts and Characteristics

III. Culture, Inequality and Social Exclusion (20)

a. Culture -Definition, Characteristics, Aspects.
b. Types of Culture –Folk, Mass, Popular, Subculture, Counter Culture.
c. Ethnocentrism, Xenophobia, Multiculturalism and hybridization
d. Social stratification and Social Inequality – Concept and Bases (caste, class, gender, ethnicity and age)
e. Social Exclusion – Meaning and Dimensions (Economic, Political, Occupational and Cultural)

Semester - II

Sociology: Social Institutions and Change

Objectives:

1. To acquaint students with basic institutions of Society with its newer dimensions.
2. To develop critical understanding of the functioning of social institutions.
3. To acquaint students with the concept and current versions of social change.

I. Social Institutions -I (18)

a. Family and kinship, Marriage – meaning, forms and changing trends. (Singlehood, cohabitation, Mixed Family, Gay- Lesbian Marriages).
b. Polity: Meaning Forms. (Monarchy, Democracy, Totalitarianism, Authoritarianism, Neo-liberal state)
c. Economy: Meaning, History and Models. (Capitalism, Socialism, Mixed Economy, Neo liberal)

II. Social Institutions -II (18)

a. Religion: Meaning, Forms, Secularization
b. Education – Meaning, Forms (Formal , Non-formal and Role), Challenges in Higher Education
c. Media – Meaning, Types (Print, Electronic, Social Media and Role) Relevance of Mass Media in Contemporary Society

III. Social Change (12)

a. Social change : Concept and Characteristics
b. Technology, State, Civil Society and Social movement.
c. Modernization, Development and Globalization

SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY

(formerly University of Pune)

F.Y.B.A. in Economics

SYLLABUS

(Credit and Semester System)

(To be implemented from the Academic Year, 2019-20)

F.Y.B.A. Economics

G-1 Indian Economic Environment

Annexure –II

1) Title of the course:

   Class: F.Y.B.A.

   Subject: Economics.

   Title: Year of Implementation: From June - 2019

2) Preamble of the syllabus:

   The proposed curriculum is with an objective to enhance the existing syllabus, make it contextual as well as applicable and to incorporate all the latest changes in the national economy. The board examined the short comings of the existing syllabus and expressedthe need to change it. While doing so the board analyzed other curricula of existing universities in respective subjects in terms of content, relevance, quality and pattern of teaching that has been synthesized in the present proposal. While framing the draft of syllabus, guidance from industrial experts and professionals was seeked.

   The present era is that of structural transformation especially within the country. Moreover fast changing international scenario and approach of other countries towardsour human resource makes it mandatory for the educational system to impart latest knowledge to our students, so that they are prepared to merge themselves in the challenging economic and corporate environment.

   Hence, a change in the paper and restructuring of syllabus becomes imperative. The syllabus needs to be holistic in nature. It should be contextual and clear the basics of economics but at the same time it should teach application of the theories in day to daylife.

   In the modern world, competition is an inseparable part of our lives. To inculcate a competitive spirit among the students, the syllabus should include all the recent advancement with in and out of the country with its pros and cons.

3) Objectives of the paper

- To familiarize the students with the recent developments in the Indian Economy
- To provide the students with the background of the Indian Economy with focus on contemporary issues like economic environment.
- To help the students to prepare for varied competitive examinations
- To enable students to understand and comprehend the current business scenario, agricultural scenario and other sectorial growth in the Indian context. To make the student aware of the developments such as MSMEs, Digital Economy, E-Banking, BPO & KPO, etc.

Programme Outcome:

- Ability to develop an understanding of the economic environment and the factors affecting economic environment.
- Ability to develop awareness on the various new developments in the different sectors of an economy – agriculture, industry, services, banking, etc.
- Ability to compare and contrast Indian Economy with other world economies.
- At the end of the course, the student should be able discuss and debate on the various issues and challenges facing the Indian Economic Environment.

4) Introduction:

Semester system with the pattern of 70:30

5) Eligibility:

Students who have passed 12th standard from any stream with minimum 35% of marks inall the subjects. (as per the rule of affiliating SPPU)

6) Examination:

A) Pattern of examination: 70:30

i) Internal university examination of 70 marks with internals of 30 marks

ii) Pattern of question paper: pattern for 70 marks

- Question Number 1: 8 questions to be answered out of 10 with total marks 16
- Question Number 2: 4 questions to be answered out of 6 with total marks of 16
- Question Number 3: 3 questions to be answered out of 4 with total marks of 18
- Question Number 4: 2 questions to be answered out of 3 with total marks of 20

iii) Duration for 70 marks: 3 Hrs

iv) Pattern for 30 marks:

- Internal exam (20 marks)
- PPT (oral or poster)/ Project work/Assignments/visits (10 marks)

v) Unit wise classification of marks

Unit	Name of the Chapter	Distribution of marks
Semester 1		
Unit 1	Introduction	23
Unit 2	Agricultural Environment	23
Unit 3	Industrial Environment	24
	Total	**70**
Semester 2		
Unit 1	Service Sector Environment	20
Unit 2	Banking Environment	25
Unit 3	Overview of Indian economy	25
	Total	**70**

B) Standard of Passing:

To pass, the candidate must obtain at least 40% in individual subjects, in internal assessmentand in university examination each in all the papers.

C) ATKT rules

As per the rules of SPPU, a student can have maximum two papers as backlog and go to second year.

D) Award of Class:

i. Those successful candidates who obtained 40 % and above of the total aggregate marks in all subjects for internal assessment and university examination taken together at one and same sitting, shall be placed in Pass Class.

ii. Those successful candidates who obtained 50 % and above of the total aggregate marks in all subjects for internal assessment and university examination taken together at one and same sitting, shall be placed in Second Class.

iii. Those successful candidates who obtained 55 % and above of the total aggregate marks in all subjects for internal assessment and university examination taken together at one and same sitting, shall be placed in Higher Second Class.

iv. Those successful candidates who obtained 60 % and above of the total aggregate marks in all subjects for internal assessment and university examination taken together at one and same sitting, shall be placed in First Class.

v. Those successful candidates who obtained 70 % and above of the total aggregate marks in all subjects for internal assessment and university examination taken together at one and same sitting, shall be placed in First Class with

E) External students:

The students who appear for the examinations without attending any college and take admission in the university as external students will be considered as external students.

F) Setting of question paper/pattern of question paper

Question papers will be set by the panel of paper setters appointed by Savitribai PhulePune University.

G) Verification/ revaluation

Verification and or revaluation will be done by panel appointed by Savitribai Phule Pune University.

7) Structure of the course

a) Compulsory paper:

Only one paper will be given without and optional subject

b) Optional paper

No subjects are optional.

c) Medium of instructions:

Medium of instruction for the paper will be both Marathi and English.

Structure of the entire course

BA Economics			
FY	G1	Indian Economic Environment	2019-20
SY	G2	Financial System	2020-21
SY	S1	Micro Economics	2020-21
SY	S2	Macro Economics	2020-21
TY	G3	Public Finance	2021-22
TY	S3	International Economics	2021-22
TY	S4	Economics of Development	2021-22

8) Equivalence of previous syllabus with the proposed syllabus

The revised syllabus has changes in the name of the paper, topics and sub topics offeredas compared to the old syllabus. The paper will make the syllabus more comprehensive and modified to suitably align with the changing Indian scenario. The paper will set an apt background for students to comprehend knowledge of economics in their academic career and apply the knowledge in their life.

9) University terms

Academic calendar of the affiliating university will be followed.

10) Subject wise detail syllabus

Semester 1		
Units	**Name and sub titles of the Chapter**	**No of lectures**
Unit 1	**Introduction**	**16**
	1.1 Meaning, Factors affecting Economic Environment-Economic, Political, Technological, Social & Cultural	08
	1.2 Challenges to Indian Economy: Natural Resources, Energy Resources, Education, Health, Environment	04
	1.3 Comparison of Indian Economy with the World Economy-Population, Agriculture, Industry and Service Sector	04
Unit 2	**Agricultural Environment**	**16**
	2.1 Role of Agriculture in Indian Economy	04
	2.2 Challenges to Indian Agriculture-Productivity, Rural Credit, Marketing, Rural Entrepreneurship	08
	Recent Trends in Indian Agriculture: Cropping pattern, Technology, Crop Insurance, Water Management, Agri-Business	04
Unit 3	**Industrial Environment**	**16**
	3.1 Role of Industry in Indian Economic Development	04
	3.2 Industrial Policy Resolution, 1991- Liberalization, Privatization and Globalization (LPG)	03
	3.3 Challenges to Indian Industry-Labour & Employment, Regional Imbalance, Finance, Technology	03
	3.4 Micro, Small and Medium Enterprises (MSME)- Definition & Role	03
	3.5 Recent trends in Indian Industry- Indian Multinationals & New Policies	03
Semester 2		
Unit 1	**Service Sector Environment**	**12**
	1.1 Role and Growth of Service Sector in Indian Economy	02

	1.2 Challenges to Indian Service sector- Business-based & Knowledge-based Sector, Education sector, Health sector, Insurance, Tourism, Banking	06
	1.3 Recent Trends in Indian Service Sector- Digital Economy, E-Commerce, E- Finance	04
Unit 2	**Banking Environment**	**18**
	2.1 Banking- Definition, Functions, Changing Structure of Banking in India- New Private Banks, Small Banks, Payment Banks	08
	2.2 Bank Accounts- Types, Procedure and Operation of Accounts	05
	2.3 Recent Trends in Indian Banking Environment- E-Banking, E- Wallets, Bank Mergers and Amalgamations	05
Unit 3	**Overview of Indian economy**	**18**
	3.1 Challenges of Indian Economy- Poverty, Employment, Inequality, Informal Sector	09
	3.2 Policy Measures (Two-Three recent Programmes)- Poverty Alleviation Programmes; Employment Generation Programmes; Agriculture Development Programmes, Skill Development Programmes ……..	09

11) Recommended books

Semester I: Basic Reading List

- Agrawal A.N., Problems of Development & Planning, (Latest Edition)
- Ashwani Mahajan, 'Indian Economy' S. Chand & Company Ltd., New Delhi.
- Cherunilam Francis, 'Business Environment-Text and Cases' Himalaya Publishing House(Latest Edition)
- Faisal Ahmed 'Business Environment: Indian and Global Perspective' PHL Learning Pvt. Ltd. (Latest Edition)
- Fernando A.C. (2014) 'Business Environment' Pearson Education,
- Misra & Puri, 'Business Environment', Himalaya Publication House, Mumbai. (Latest Edition)
- Misra & Puri, 'Indian Economy', Himalaya Publication House, Mumbai. (Latest Edition)

Recommended Reading

- Asian Development Bank (2009) 'Urban Poverty in India' BS Books

- Amit Kumar (2013) ‘SMEs in India in post-1990s Era: Challenges and Opportunities, LAP Lambert Academic Publishing
- Das Keshab (2011) ‘Micro and Small Enterprises in India: The Era of Reforms’ Routledge India
- Gopal and Suman Banhri (2013) Indian Economy Performance and Policies. Pearson Publication Delhi.
- C.S.Prasad(2006) ‘Sixtyyears of IndianAgriculture’New Century Publication, NewDelhi
- Indian Institute of Banking and Finance (2011) ‘Small and Medium Enterprises in India’ Taxmann
- Jaya PrakashPradhan (2008) ‘Indian Multinational in the World Economy: Implications for Development’, Bookwell Publications
- JagdishBhagwati, ArvindPangariay (2013) ‘Reforms and Economic Transformation in India’ OUP
- MohantyPrasanna (2014) ‘Cities and Public Policy’ Sage Publications
- Prakesh B.A. (2011) The Indian Economy Since 1991 Economic Reforms and performance, Pearson Publication Delhi.
- Thorat S. K (2008) ‘Reservation in Private Sectors’ Rawat Publications, ND

Semester II: Basic Reading List

- Agrawal A.N., Problems of Development & Planning, (Latest Edition)
- Ashwani Mahajan, ‘Indian Economy’ S. Chand & Company Ltd., New Delhi.
- Cherunilam Francis, ‘Business Environment-Text and Cases’ Himalaya Publishing House(Latest Edition)
- Faisal Ahmed, ‘Business Environment: Indian and Global Perspective’ PHL Learning Pvt. Ltd. (Latest Edition)
- Fernando A.C. (2014) ‘Business Environment’ Pearson Education,
- Misra& Puri, ‘Business Environment’, Himalaya Publication House, Mumbai. (Latest Edition)
- Pathak, Bharati [2009] ‘The Indian Financial System”, ’Pearson Education Publication, New Delhi.

Recommended Reading

- Bhasin, Niti (2006) “Banking Developments in India 1947 to 2007” New Century Publications.
- Bhadane Jaywant R. (2018) ‘Cashless India and Digital Economy’ International Publications, Kanpur
- Dasgupta Sukti, Sher Singh Verick (2016) ‘Transformation of Women at Work in Asia:An Unfinished Development Agenda, Sage
- Paul Justin (2010) ‘Business Environment-Text and Cases’ Tata McGraw Hill
- Khanna Tarun (2008) ‘Billions of Entrepreneurs: How India and China are Reshapingtheir Future and Yours’ Penguin India
- Kapila Uma (ed) Indian Economy Since Independence, Academic Foundation(2003)
- Panagariya Arvind (2010) ‘India: The Emerging Giant’ Oxford University Press
- Sobhan Rehman (2010) ‘Challenging the Injustice of Poverty: Agendas for inclusive Development in South Asia’ Sage
- Samanta R.K. (2000) “New Vista in Rural Development Strategies and Approaches” B.R. Publishing Corporation New Delhi
- Spana Newar, Tanvi Gaur (2015) ‘Economic Environment in India, Think Tank Publications, Jaipur

12) Qualification of teachers:

Qualification of teachers as per norms of SPPU will be masters in Economics and SET/NET/Ph.D.